

# असाधारण EXTRAORDINARY

श्रामा II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

## श्रीभकार से प्रकाशित FUBLISHED BY AUTHORITY

**H**. 211]

नई विल्लो, बुधवार, मई 13, 1992/वेशाख 23, 1914

No. 211] NEW DEI HI, WEDNESDAY, MAY 13, 1992/VAISAKHA 23, 1914

इ.स. भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## जल-भत्तल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

प्रधिस्चना

नई दिल्ली, 13 मई, 1992

सा.का.नि. 488(म्र):--भारतीय पत्तन मधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 33की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उक्त प्रधिनियम की प्रथम अनुभूषी में निम्तिनिखित परिवर्तन करती है जो इस अधिसूत्रता के सरकारी राजपत्र में प्रकाणित होने की तारीख से 60 दिन की प्रथित की समाध्ति के अगले दिन में लागू होंगे, अर्थान् ---

अतंद्रना वत्तन में संबंधित प्रविष्टियों के लिये उक्त प्रधिनियम के भाग 1, प्रथम चनुमूची में निम्तिलिखन प्रविष्टियों प्रतिस्थापित की जाएंगी :—

पन्तन का नाम	प्रभारित जहाज	पत्तन देयताओं की प्रति टन दर	उसी जहाज के संबंध में प्रभार कितनी बार धमूल किए जा सकते हैं
1	2	3	4
कांडपा	दस टन और इससे भ्रधिक क्षमण के विदेश जाने वाले जहाज (मस्स्य नौकाओं को छोड़कर)	एक अमरीकी डालर मे प्रक्षिक नहीं।	पत्तन में प्रत्येक बार प्रवेश के लिए प्रभार देना होगा।

1	2	3	4
	दस टन और इपसे श्राधिक क्षमना के राटीय जहाज (मत्स्य नौकाओं को छोड़कर)	1 ो्•्रवंके ने स्थिक नहीं।	पतन में प्रत्येक बार पतेत के लिए पनार केतिहोना।
	दस टन और इससे ऋधिक क्षमता के कंट्री कापंट (मत्स्य नौकाओं को छोडकर)	10/- म. से अधिक नहीं।	पता में प्रश्वेक बार प्रतेग के प्लिल् प्रभारदेगा होता ।
	टग, फैरी, स्टीमर्स तथा नदी स्टीकर्स	यथोव र	पतात में प्रत्येक बार प्रवेण के लिए प्रभारदेनाहोगा।

[फा.मं. पी ग्रार-14012/8/92-पी जी] ग्रशीक जीशी, संयुक्त सनिव

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 13th May, 1992

G.S.R. 488 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 33 of Indian Port Act, 1908 (15 of 1908) the Central Government hereby makes with effect from the day following the expiry of sixty days from the date of publication of the notification in the Official Gazette, the following alterations in the First Schedule to the said Act namely:—

2. In part I, First Schedule to the said Act, for entries relating to the port of Kandla, the following entries shall be substituted namely:—

Name of port	Vessel chargeable	Rate of Port dues per Ton	Dues how often chargeable in respect of same vessel.
Kandla	Foreign going vessels of ten tons and upwards (except fishing boats)	Not exceeding One U.S. dollar.	The due is payable on each entry into the port.
	Coasting vessels of ten tons and upwards (except fishing boats)	Not exceeding Rs. 10/-	The due is payable on each entry into the Port.
	Country crafts of ten ton and upwards (except fishing boats).	Not exceeding R.s. 10/-	The due is payable on each entry into the port.
	Tugs, ferry, steamers and river steamers.	<b>-d</b> o-	The due is payable on each entry into the Port.

## **श्र**धिस्चना

## नई दिल्ली 13 मई, 1992

सा.का.नि. 489(अ) — महा पत्तन पिविनियम, 1908 (1903 का 15) की धारा 33,34,36 और 47 द्वारा प्रदत्त प्रवित्तियम, 1908 (1903 का 15) की धारा 33,34,36 और 47 द्वारा प्रदत्त प्रवित्तियम, कारते हुए और भारत सरकार के नीवहन परिवहन मञ्चालय द्वारा समय समय पर जारी और दिनांक 20 जुलाई, 1990 के सा.का.नि. 652(ई) द्वारा समाप्त होने वाली प्रविक्ष्चना का प्रविक्रमण करन हुए केन्द्र सरकार एतद्हारा निर्देश देती है कि इस प्रविक्ष्चना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 60 दिन की प्रविधि की समाप्ति के प्रगले दिन से कांडला पोर्ट में जाने वाले जहाज जो प्रमुस्ची के कॉलम 2 में उल्लिखन हैं उनसे तन्संबंधी कॉलम 3 में विनिर्दिष्ट दर्श पर और इतन प्रमुखी के कॉलम 4 में नियत समय पर पोर्ट देय वसूले जायेंगे।

## अनुस्वी

त्रमांक	एन ,ग्रार .टी . में जलपान समृह		निम्त स्थान पर आनं वाले जलयानों के संबंध में एन जार टी अथवा उसके किसी भाग के अनुसार पोर्ट देय संबंधी दर		-
			ग्रपतट तेल कांडला पोर्ट वाडीनार	टर्मिनल	of the second se
1	2		3		4
	भारतीय रु.	यू.एस. सेंट	भारतीय रु.	यू.एस. सेंट	
1. 10,000 एन ग्रार टी तक	1.60	8	4.50	21	
2. 10,001-40000 एन ग्रार टी	1.80	9	5.00	24	पोर्ट में होने वाली प्रत्येक <b>प्रविष्टि</b> पर
3. 40,001 <b>-</b> 67,000 एन आर टी	2.09	10	5.00	24	पर देय है ।
4. 67,000 एन ग्रार टी से ग्रधिक	2,20	10	5.00	24	

- टिप्पणी 1. जलयान के पोर्ट देयों का निर्धारण उसके उन कुल एन आर. टी दरों पर किया जायेगा जो उस जलयान के एन आर टी अनुसार उक्त जलपान समूहों के केवल एक के महे दर्शाई गई है।
  - 2. तटीय जलयानों के बाबन में उक्त दरों में 30 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।
  - 3. जलवान आधी दर पर पोर्ट देव अदा करेगी जो कि निम्नलिखित परिस्थितियों के अधीन अन्यया प्रमायं होगी।
  - (i) बेलास्ट में ग्राने वाले और यातियों को जो ढो नहीं रहे हों ऐसे जलयान
  - (ii) कोई भी नौभार अथवा यांत्रियों का निस्सारण अथवा भारण नहीं करने वाले जलयान (मरम्मत के प्रयोजनार्थ जो भी आवश्यक हो उस उतराई और पुनः लदाई के अपवाद सहित)
  - (iii) ग्रपनी निजी खपत के लिये किसी रसद, जल, बंकर ग्रादि के लिये ग्राने वाला जलयान और
  - (iv) नौकर्षण द्वारा बन्दरगाह में लाया गया ऐसा संकटग्रस्त जलयान जिस पर कोई भी नौभार नहीं हो।
  - व. नीभार महित जिस संकटण्डन जनवान को नौकर्षण द्वारा बन्दरगाह में लाया गया हो उससे पुरा पीट देव प्रभाव होगा ।
  - 5. भारत के ग्रन्थ महा पत्तनों के जलयान को पोर्ट देशों की ग्रदायगी करने से छूट दी जायेगी।
  - 6. कंडला पोर्ट में केवल ग्रभारण ग्रथवा भारण के लिये धाने वाले लैंग बजरों की पोर्ट देवीं की श्रदायगी से छूट दी जायेगी और ऐसा इस गर्त के श्रधोन होगा कि ऐसे लैंग वंजरों को उतारने ग्रथवा चढ़ाने वाले ग्राधार पोतों द्वारा निर्धारित दरों पर पोर्ट देय ग्रदा किया जाए।
  - 7. बिल की कुल राजि के स्प्रमने दस धार्य तक पूर्वीकित किया जायेगा।

#### ब्यान्द्रया

्रम्, एस. डालरों के रूप में वर्षाए गये प्रभारों की वसूली जलयान आने की भारीख को धार.वी.धाई. द्वारा घछिम्चित दरों पर विदेशी के साथ साथ भारतीय नौबहन लाइनों/ग्रीभकर्ताओं से समतुष्य भारतीय स्वयं में की जायेगी। तथापि यथानिर्धारित भारतीय रूपयों के रूप में तटीय नौबहन संबंधी प्रभार वसूला जायेगा।

> [एक स. पी घार-14012/8/92-पीजी] ध्रमोक जोगी, संगुक्त गचिव

## NOTIFICATION

## New Delhi, the 13th May, 1992

G.S.R. 489 (E):—In exercise of the powers conferred by Sections 33, 34, 36 and 47 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport issued from time to time and ending with No. GSR 652(E) dated 20th July, 1990, the Central Government hereby direct that with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of notification in the Official Gazette, Port dues shall be levied on vessels entering the port of Kandla and described in Col. 2 of the Schedule at the rates specified in Col. 3 thereof and the time fixed in Col. 4 of the said Schedule.

#### **SCHEDULE**

Sl. Vessel Group in NRT No.	Rate of Por vessels en	Due how often chargeable in				
	OOT,	Vedinar.	Kandla Port		respect of same vessels	
1 2	3				4	
	Indian Rs.	US Cents	Indian Rs.	US Cents.		
1. Upto 10,000 NRT.	1.60	8	4.50	21	The due is payable	
2. 10,001-40,000 NRT	1.80	9	5.00	24	on each entry into	
3. 40,001-67,000 NRT	2.00	10	5 00	24	the Port.	
4. Above 67,000 NPT.	2 20	10	5.00	24		
		_				

### NOTE:

- 1. The Port dues of a vossel will be assessed on her total NRT at the rate shown against only one of the above vessel groups according to NRT of that vessel.
- 2. A rebate of 30% in the above rates be granted in respect of Coastal vessels.
- 3. A vessel shall pay Port dues at half the rate which would otherwise be chargeable under the following circumstances:—
  - (i) Vessel entering in ballast and not carrying passengers.
  - (ii) Vessel not discharging or loading any cargo or passengers (with the exception of such unshipment and re-shipment, as may be necessary for purpose of repair).
  - (iii) Vessel entering for taking any provisions, water, bunker etc. for her own consumption and
  - (iv) Vessel in distress brought into harbour in tow which has no cargo on board.
- 4. A vessel in distress with cargo on board brought into harbour in tow shall be charged full Port dues.
- 5. Vessel belonging to other Major Ports in India shall be exempted from payment of portidues.

- 6. LASH barges entering the Port of Kandla only for discharging or loading shall be exempted from payment of Port dues, subject to the condition that Port dues at prescribed rates are paid by the mother ships discharging or loading such LASH barges.
- 7. The aggregate amount of bill shall be rounded off to the nearest rupees ten

#### **EXPLANATION:**

The charges prescribed in terms of US Dollars would be collected in equivalent. Indian Rupees from foreign as well as Indian Shipping lines/agents, at the rates notified by R.B.I. on the date of arrival of the vessel. However, charges for Coastal. Shipping will be collected in terms of Indian rupees as prescribed.

[File No. PR-14012/18/92-PG] ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

#### प्रशिमुचना

### नहीं दिल्ली, 13 मई, 1992

मा.का.नि. 490 (ग्र): — भारतीय यसन शिवित्यम 1908 (1908 का 15) की घारा 35को उपन्नारा (1) द्वारा प्रदेश का प्रयोग करते हुए और कंडला पोर्ट, पोतचालन कार्य (गुरक) प्रादेश, 1989 का प्रीविकमण करते हुए केन्द्र सरकार एनद्वारा कडला पोर्ट में पोतचालत कार्य संबंद्धा एक भी यसूली तथा धस्य मेथाओं को विनियमित करने हेतु निम्तलिखित प्रादेश बताती हैं:—

- मंधिएन नाम सथा प्रारंग: --(1) यह ब्रादेश कंडना पोर्ट सेनचालन कार्य (गुन्क) ब्राटेग, 1992 कहा जल्मा ।
  - (2) यह तुरन्त ही लाग होगा।
- ्र. पोत्रचालन कार्यं संबंधी शुल्क

कंडला पोर्ट में पोतनालन कार्य संबंधी ण्ला वैसा होगा जैसांकि निम्नलिखित अनुसूती में यथा विनिधित्य है :---

पोतचालन कार्य सबक्षी प्रमुखा

ऋ.सं.	. जलयान का धाकार	प्रति जीद्याः	ग्टी या उसके	अंग से संबंधित पोतचालन कार्य मृत्यः
-, <del></del>		भारतीय क.	धर्मारकत सेन्ट	
1-	309 <b>त ञोष्रार</b> ही नक	3,96	19	रु. 3960/- यूएस \$ 188.50 प्रति जल्प्याम भीस्यूनतम दर के अधीन रहते हुए।
2.	3001 से 10,000 जीभारटी	5,40	26	रू 54000 <del>/- यूएम</del> \$
3.	10,001 में 15,000 जीभारटी	4 80	23	2570.40 प्रति जलवान को स्थुनतम दूर के प्रधीन रहते हुए
4.	15,001 से 30,000 जीभार्या	4.80	23	
5.	उ0,001 में 60,000 भीभारटी	4 56	5.5	र. 1,44,000/- यूएस \$ 6854.40 प्रति जलयान की न्यूमनम दर के अधीन रहते हुए।
6.	60,001 से 1,00,000 <b>आधा</b> रटी	4.56	22	
7.	1,00,001 से जीभारटी तथा भविक	4.56	2 2	

हिष्यणी : ---(।) সময়ান के पोतजालन कार्य सबझी एतक का निर्धारण उसके उन कुल जीभाग्टी (सकल पंजीकृत टनभार) वरी पर किया जाएगा जी उस जलवान के जीभाग्टी के प्रमुखार उक्त जलवान समृत्ती के नेजन एक के मुद्दे दर्शायी गर्ट है।

<sup>(2)</sup> नटीय जलयानी के बाबन में उक्त वरों में 30% की छुट दी जाएगी।

(3) पंतिचालन कार्य मुल्क में पाइलट के अलगामी और बहिर्गामी पाइलट कार्य और प्रत्यरण प्रचालन, यदि बन्दरगाह सीमा के भीतर कोई हो तो, के लिए की गई सेवल्मों तथा उसी के लिए कर्मनीका की उस्थित अथा नार्यंत्र लाव को सेवल्में को शर्मन है। इन प्रशेषार्थ कांडला में बन्दरगाह सीमा के अन्दर अन्तरण का इंडला और के अन्दर प्रयेग परणी (कड़ता बार) तक अनरण विश्वित है। प्रयेग सरणी से बाहर अथवा एक्लिंग ते किया जलगात का अन्तरण से यो होरात तो कर का एक्लिंग गान ते एक जिल्ला किया प्रतेश का अन्तरण निवास अल्ला प्रतिस्थान के अल्ला प्रतिस्थान के अन्तरण निवासलाय के लिए उसर निवासित गीनवालन गुरुस कर किया प्रवास अल्ला प्रतिस्थान के अल्ला प्रतिस्थान अल्ला प्रतिस्थान के प्रयोग प्रवास का प्रतिस्थान के अल्ला के अल्ल

- 3. पोतचालन माग पश्च का अस्तुर्ताकरण .--(i) जब प्रस्तामी पोतधालन एवं प्रथम बांडगामी पातवालन एकं अपरा यह समितिन जातान के अञ्चल के लिए किसी पाइलट की सेवाएं मागी जाती है तो उस जलवान पर पाइलट की उपस्थित होने के समा में कान में हन । (2 ) हे पूर्व साटिस दी जानी चाहिए। नथापि उपर निर्माणित मोटिस समय से कम समय में भाग प्रस्ता की जाती है ता उस हालेंग सास्टर द्वारा स्थापित किया जा सकता है और ऐसा पाइलट की उपलब्धान के स्थान रहते हुए और अस्य सावस्थकताओं के स्थीन रहते हुए हार्वर सास्टर के स्वतिवेक पर किया जाए
- (ii) जब कभी हार्बर मास्टर का समाधात हो जाए कि प्रांत बाले जहाजों के लिए घार की प्रतृपलध्यता के कारण प्रथम उद्धार-भाटा के समह ओर जन्ममान চোरण से उस समय और माग के अनुसार पाइलट की तैनाकी मही की जा सकती तो पाइतर के जतकात पर বাইনী का समय और कारीय हार्बर मास्टर क्षारा निश्चित की। आएगी।
- (jjj) तथापि, किसी ऐसे प्रापानकार जो जलयान के मास्टर के निवक्षण से बाहर हो जैसे कि जहाज पर ात्राने, समर में बाधा का जाता और केनी के समान प्रापानकाल में जलयान को अनिरित्त करते[सेबा करते[सु पाइनट की जागराक शोधी है तो किसा ात को जागराक सही है।
- 4 पोतन्तालन मांगण्य का ग्हेकरण और पाइन्टों का अनुप्रवागः ——(i) जब कभी किसी गांत्रिक सन्तः , जनवान के प्रतासीमी पोत्रवाशन हनु पाइल्ट की सेवाएं मांगी जाती हैं और अगर उस जनवान के रनाना होने से पूर्व तीन बंदे से कम समय का किस वह नह वह मांग रह कर दो जाती है तो है उन्हें के कम समय का किस किस वह नह वह साम रह कर दो जाती है तो है उन्हें के अगर पाट्निस के राहकरण कुन्क बसूना जाएगा। उसी प्रकार यांत्रिक रोगित के किस के अगर पाट्निस के सेवार्क में जनवानों पर पाइन्ट के बहुने अनु सिकारन समय का किस के उन्हें के किस के अपना पर पाट्निस के बहुने होतु जनवान रगता होने से पूर्व 3 घंटे से कम समय की भोडिस देने हुए ऐसी माग राहक के अन्ति है जे राहकरण मुक्क बसूना जाएगा।
- (ii) जब कभी मांग के प्रनुसार कोई पाइयट प्रानिवाल जहाज का पाइयट काये करने हेतु पाइयट स्नेणन आता है और ऐसे कारणान्या आ जनपान मास्टर के निर्मात्रण से बाहर हो प्रथम सीयहन प्राक्तिमकता, शृबस्त हो जाने प्रथम जलपान पर आग नग जाने के वजह से अगर जनपान के नहीं आने से प्रथम देन से आने के कारण पाइलट को लीट जाना पऐ तो का 6000√- यू एस. \$ 285.60 का शृक्त वसूला आएमा। उसी प्रकार प्रगर कोई पाइयट मांग के प्रनुपार यहिलोमी जलपान पर चढ़ता है औं अगर यह जलपान मौसम की दराबी, लंगर श्रृंखला के उल्लेखन प्रथम प्रया प्रति परिस्कितिका भी जलपान के मास्टर के निर्मात्रण से बाहर हो, के कारण प्रस्थान नहीं कर लाता हो है 6000√- यू एस. \$ 285.60 णुक्त की प्रची को जालकी।
- (iii) जब करी मांगपत्र के अनुमार किसी आनेवाल अलगान पर चढ़ने के लिए कोई पाइलट, पाइलट स्टेशन पर जाता है और प्रगर पाइलट का उपरांक्त सारणों के अलावा अन्य किसी अजह से लीटाना पड़ना है तें। रू. 12000/- यू.एस. \$571.20 की वचली होगी। उसी प्रकार जब कोई पाइलट मांगपत्न के अनुमार किसी शहर जानेवाल जलगान पर चढ़ता है अथवा जब पाइलट किसी ऐसे जलगान के लिए जा नोबंध अथवा मरणी में हो और जिसे पाइलट किसा जाना है उसके लिए जलपान हारा पाइलट जाता है और अगर यह जलगान अंगर खोल दिए जाने के बाद याजा करने में अपमर्थ हो अथवा अगर मांग के पाचलहरू को लीटता पड़ता है तो रू. 8400/- यू.०म.\$ 399.84 शुक्त बसूला जाएगा।
- (jv) बाहरी तूचा योष्/पाञ्चट स्टेणन पर स्थित जलयान का पाइलट हारा दी गई मेबाओं के लिए ठ 6000/- य एस. \$ 285.60 मक की সংখ্যক बसूला जाएगा।
- (v) जब कभी किसी पाइलट को मास्टर अथवा अभिकर्ता के अनुरोध पर अथवा हार्बर भाष्ट्र के स्विविक पर अववान को बन्धरनाउ में लाने अथवा बाहुर ने जाने के पाइलट कार्ब अथवा अलयान की घाट पर लगाने अथवा घाट में हटाने अथवा अवस्ति करने के प्रलाना प्रस्य कीई कार्य करना उड़े तो उनके निए रु. 600/- यू.एस. \$ 28,56 प्रति घंटा अथवा कोई भाग वसूला जाएगा।
- 5. जलयान पर पाइलट को रोकने तथा कार्यनौका का रोकने से संबंधित गुल्क: :-- मीसम की खराबी, कमीदिल का पलायन प्रथम धर्य ऐसे कारण जो मास्टर के निर्देहण से बाहर हीं, उनके अलावा भर्य किसी कारण से अन्वर अधवा बाहर लाए जाने वाले भ्रधवा अंतरित किए जाने वाले जलयान पर अगर पाइलट की साथे घटे से अधिक समय के लिए रोका जाता है तो पाइलट के लिए र 460/- यू एस. \$ 45.70 ककाई णुल्क और कर्ष नौका के लिए र. 2040/-यू.एस. \$ 97.10 ककाई णुल्क प्रति घटा अथवा उसके किसी भाग के लिए प्रभावित होगा।
- 6. पाइलट कार्य शुल्क की वसूकी से छूट:---(i) 300 शिव्रारटी और कम जलवानों के मामने में पानवरात कार्य क्रोनेशर्य नहीं हाता। नवापि ऐसे जलवान प्रगर क्ष्मण हो तो पोनचालन कार्य शुल्क की प्रमुक्ती में यथा विनिर्दिष्ट शुक्क की प्रस्तकों पर पाइनक मोन सकत है।
- (ii) कड़का बंदरगाह जलयान संबंधी निधम 1955 के प्रश्नीत धनुजयन जलयानों के लिए प्रारंभिक ग्रागमन तथा यश्तिम बाहरी रवानगी के समज के सिक्षाय पोतचालन कार्य प्रतिवार्य नहीं है।
- (iii) उपन (i) की टिप्पणी के मिनाम पांड्सट के बिना पीर्ट में आने बाले श्रवण श्रीकृते काल सभी जनवानों की भारतीय पत्तन अधिनियम, 190९ -(1908 का 15) के अधीन उस्वधित सभी शास्तियों के घटिरियत अप्युची में यहा विनिधित पोत्रवालन कार्य धूनक की अधीरमी करते। होगी।

(4) इस भाग में विनिधिष्ट दरें ने हैं जो पाइलट ग्टेशन (बाहुरी तुणा दोषा) के समुद्राध्मिष्य से और এ 22 किसोगीटर (दो मीत) শক দ বিশ্ पीतच।लन कार्य शतक है।

तथापि श्रमर पाइलट स्टेमन (बाहरी तूणा बोया) से समुद्रात्मिषुक 3.22 किया मीटर (दो मील) से श्रायक दूरी तक जाते के लिए जनसम्ब का पाइलट कार्य करने हेनु पाइलट श्रमेशिन है यो इस भाग के प्रथा विनिद्धित्व दरों का दूंगुना पोतचालन कार्य श्रूषक बच्चा जाएगा। जाइनर स्टेमन (बाहरी तुमा बोया) से समुद्राभिम्ख अधिकतम 9.66 कियो मीटर (6 मील) तक ही पाइलट का जहाज पर रहना प्रतिबंधिय होगा।

(5) जलवानों का सामन और सर्वेश्वण हेत् निम्नलिखित शस्क वसूला जाएमा :---

जलयान		<b>इ</b> कार्ड	वस् <u>ली</u>	वस्ती योग्य णुल्क	
			भारतीय ह.	यू एस. 8	
1.	1000 टन से कम	जलयान के लिए	₹. 360.00	17.14	-
2.	1000 टन तथा श्रविक	जलयान के प्रस्येक 100 टरों के लिए	च. 72.00	3.43	

7. जन पाइलट को ऐसे जलयान की सेवा के लिए जरूरमे हो जो भूप्रस्त, अपसरण आदि हो रहे हों तो रू. 600/- यू.एम. 8 28. 56 प्रति बंटा या उसका भाग, की परिचर्या---शृल्क वसूल किया जाएगा। ऐसे जलयानों की परिचर्या/अनुकर्षण अनु प्रश्वा प्रस्थ जलयानों के लिए किस्हीं अन्य कारणों से कर्षनीक की मांगी गई सेवाओं के लिए दरों के मान में "पोर्ट प्लाबी जलयान/प्लाबी शृष्क गोदी को आड़े पर लेने से संबंधित प्रभारों की अनुसूची" में निर्धारित दरों पर कर्षनीका भाड़ा प्रभार वसूला जाएगा।

पाद टिप्पणी : -- बिल की कूल राशि को अगले रुपये दम तक पूर्णीकित किया जाएगा ।

व्याख्या :

यूप्स डॉलरों के रूप में दर्शाए गए प्रभारों की वसूली जलयान के श्राने की तारीख को श्रार वी श्राई द्वारा श्रीक्षित दर्शे पर विदेशी के साथ साथ भारतीय नौबहन लाइनों/श्रीभकर्ताओं से समसुल्य भारतीय राये में को जाएगी। तथारि यश्निक्रीरिंग सारोग कार्यों के लग में नदी। नोबहन सबतो प्रभार वसूला जाएगा।

[सं. पी.श्रार.-14012/8/92-पीजी] श्रशोक जोशी, संयक्त सन्वित

## NOTIFICATION

New Delhi, the 13th May, 1992

- G.S.R. 490(E): —In exercise of the powers conferred by Sub-sect on (1) of Section 35 of Indian Ports Act., 1908 (15 of 1908) and in supersession of the Kandla Port Pilotage (Fees) Order, 1989, the Central Government hereby makes the following order for regulating the levy of fees of pilotage and other services in the port of Kandla:—
  - 1. Short title and commencement: (1) This order may be called the Kandla Port Pilotage (Fees) Order, 1992.
  - (2) It shall come into force at once.
- 2. Fees for Pilotages: -Fees for pilotage in the Port of Kandla shall be as specified in the following schedule:

## SCHEDULE OF PILOTAGE FEES

Sr. No.	Size of vessels		Pilotage fees per	GRT	or part thereof
1	2	оттон надвигной техновической подаваний до дорожной под надвигной под подаваний под под подаваний до должной п	3	لة يعينها القلب الهديمية بعديهم	katila (n. 1 galabata, latanning programbasisis), garabasisan arabasan kahasa kahasa kahasan kahirisan pengang
			Indian Rs.	US Cents	
1. U	Jpto 3000 GRT		3.96	19	Subject to minimum Charges of Rs. 3960/- US \$ 188.50 per vessel.

1 2	1122.71	3	
2. 3001 to 10,000 GRT	5.40	26	
3. 10,001 to 15.000 GRT	4.80	23	Subject to minimum Charges o Rs. 54000/-US \$ 2570.40 per vessel
4. 15,001 to 30,000 GRT	4.80	23	
5. 30,001 to 60,000 GRT	4.56	22	Subject to minimum Charges o Rs. 1.44,000/- US 8 6854.40 per vessel.
6. 60,000 to 1,00,000 GRT	4.56	22	
7. 1,00,001 GRT and above	4.56	22	

### NOTE :-

- (1) The pilotage fees of a vessel shall be assessed of her total GRT (Gross Registered Tonnage) at the rate shown against only one of the above vessel groups according to GRT of that vessel.
- (2) A rebate of 30% in the above rates shall be granted in respect of coastal vessels.
- (3) Pilotage fees include services of a pilot for inward and outward pilotage, shifting operations, if any within the harbour limits and the attendance of the tug for the same and services of mooring launch. For this purpose shifting within the harbour limits at Kandla would mean shifting within Kandla Creek upto entrance channel (Kandla bar). Shifting at any vessel beyond entrance channe or vice versa shall be treated as additional pilotage act for which charges equal to 50% of pilotage fees prescribed above shall be levied for each such act of shifting beyond the entrance channel or vice versa.

## 3. SUBMISSION OF PILOTAGE REQUISITION

- (i) When the services of a pilot are requisitioned for inward pilotage or outward pilotage or for shifting of a mechanically propelled vessel, a notice of not less than 12 hours before the time the pilot is required to board the vessel shall be given. Requistion submitted with less than the above prescribed notice period, may however, be accepted by the Harbour Master, subject to availability of pilots and subject to other exigencies, at the discretion of the Harbour Master.
- (ii) Where the Harbour Master is satisfied that the pilot cannot be posted at the time and on the mentioned in the requisition, due to non-availability of berth for the incoming ships or due to tide timings and the like, the time and date for boarding the vessel by the pilot shall be fixed by the Harbour Master.
- (iii) No requisition will, however, be required if a pilot is required to shift/attend a vessel in an emergency beyond the control of a master of the vessel, such as fire on board, dragging of anchor, and the like.

# 4. CANCELLATION OF PILOTAGE REQUISITION AND NON UTILISATION OF PILOTS

- (i) When the services of a pilot are requisitioned for the Inward pilotage of a mechanically propelled vessel and if such requisition is cancelled by giving notice of less than three hours before the craft leaves a cancellation fee of Rs. 3600/- US \$ 171.36 shall be levied. Similarly, when the services of a pilot are requisitioned for the outward pilotage of a mechanically propelled vessels and if such requisition is cancelled by giving notice of less than 3 hours before the time fixed for the pilot to board the vessels along side the berth/jetty, or before the craft leaves for the pilot to board the vessel at mooring or in stream, a cancellation fee of Rs. 3600/US \$ 171.36 shall be levied.
- (ii) Where a pilot goes to the pilot station to pilot an incoming vessel in accordance with the requisition and if the pilot has to return due to non-arrival or late arrival of the vessel for reasons beyond the contro

of the Master of the vessel or on account of any shipping casuality, grounding or fire on board the vessel, a fee of Rs. 6000/US \$ 285.60 shall be levied. Similarly, where a pilot boards an outgoing vessel in accordance with the requisition and if the vessel is unable to sail due to stresses of weather or fouling of anchor chain or other circumstances beyond the control of the master, a fee of Rs. 6000/US \$ 285.60 shall be levied.

- (iii) Where a pilot goes to pilot station to pilot an incoming vessel in accordance with the requisition, and if the pilot has of returned owing to reasons other than those mentioned above, a fee Rs. 12000/US \$ 571.20 shall be levied. Similarly, where a Pilot boards on outgoing vessel in accordance with the requisition or where the pilot leaves in the craft for the vessel in mooring or stream, which is to be piloted and if the vessel is unable to sail after unberthing of the vessel, or if the pilot has to return due to subsequent cancellation of requisition, or due to any reasons other than those mentioned above, a fee of Rs. 8400/US \$ 399.84 shall be levied.
- (iv) Fees amounting to Rs. 6000/US \$ 285.60 shall be levied for services rendered by a pilot to a vessel at Outer Tuna Buoy/Pilot Station.
- (v) When a pilot is required to attend a ship at the request of the Master or the Agent or at the discretion of the Harbour Master for work other than piloting the ship in or out of the harbour or other than berthing or unberthing or shifting of the vessel, an attendance fee of Rs. 600/US \$ 28.56 per hour or part thereof shall be levied.

## 5. FEES FOR DETENTION OF PILOT ON BOARD THE VESSEL AND FOR DETENTION OF TUG

Detention fees of Rs. 960/US \$ 45.70 for pilot and dentention fees of Rs. 2040/US \$ 97.10 for Tug per hour or part thereof shall be charged, if the pilot is detained on Board the vessel to be piloted in or out or shifted for more than half an hour owing to any reasons except for reasons of stress of weather, desertion of crew or such other reasons beyond the control of the Master.

### 6. EXEMPTION FROM LEVY OF PILOTAGE FEES

- (i) Pilotage will not be compulsory in case of vessels of 300 GRT and under. Such vessels may, however, ask for pilot if they so desire on payment of fees as specified in the Schedule of pilotage fees.
- (ii) Pilotage will not be compulsory for the vessels licenced under the Kandla Harbour Craft Rules, 1955 except at the time of initial entry and final departure outward.
- (iii) All vessels except those in note (i) above, entering or leaving the port without pilot will in addition to all penalties provided under the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) be liable to payment of pilotage fees as specified in the schedule.
- (iv) The rates specified in this part are pilotage fees from and upto 3.22 kilometres (Two miles) seaward of the pilot station (Outer Tuna Buoy).

If however, a pilot is required to proceed more than 3.22 kilometres (two miles) seaward form the pilot station (Outer Tuna Buoy) to pilot a vessel, pilotage, fees at double the rates as specified in this part shall be levied. Boarding of pilots shall be restricted to maximum of 9.66 kilometres (6 miles) seaward form pilot station (Outer Tuna Buoy).

(v) The following fees for measuring and surveying vessels shall be levied:-

Vessel	Unit	Fees lo	Fees leviable	
		Indian Rs.	US\$	
1. Under 1000 tons	For vessel	360.00	17.14	
2. 1000 tons and above	For every 100 tons of vessel	72.00	3.43	

7. When the pilot is required to attend the vessels which are grounding, drifting, etc. attendance fees of Rs. 600/US \$ 28.56 per hour or part thereof shall be levied. For the services of tug requisitioned to attend/tow such vessels, or other vessels for any other reasons, the tug hire charges at the rate prescribed in the 'Schedule of charges for hire of port floating craft/floating dry dock' in the scale of rates shall be leviable.

Foot Note: The aggregate amount of bill shall be rounded off to the nearest rupees ten.

#### **EXPLANATION:**

The charges prescribed in term of US Dollars would be collected in equivalent Indian Rupees from foreign as well as Indian Shipping lines/agents, at the rates notified by RBI on the date of arrival of the vessel. However charges for coastal shipping will be collected in terms of Indian Rupees as prescribed.

[File No. PR-14012/18/92-PG] ASHOK JSOHI, Jt. Secy.